

217

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील में
जारी हुए

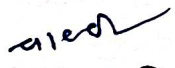
2005/5619

08/12/25

एकल-पीठ
श्री राजेन्द्र सिंह कविया, सदस्य

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी व स्वयं प्रार्थी को बार-बार आवाजें लगाई गईं। बार-बार आवाजें लगाने के बावजूद भी वकील प्रार्थी व स्वयं प्रार्थी उपस्थित नहीं हुये हैं। अतः प्रकरण को अदम हाजरी व अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(राजेन्द्र सिंह कविया)
सदस्य